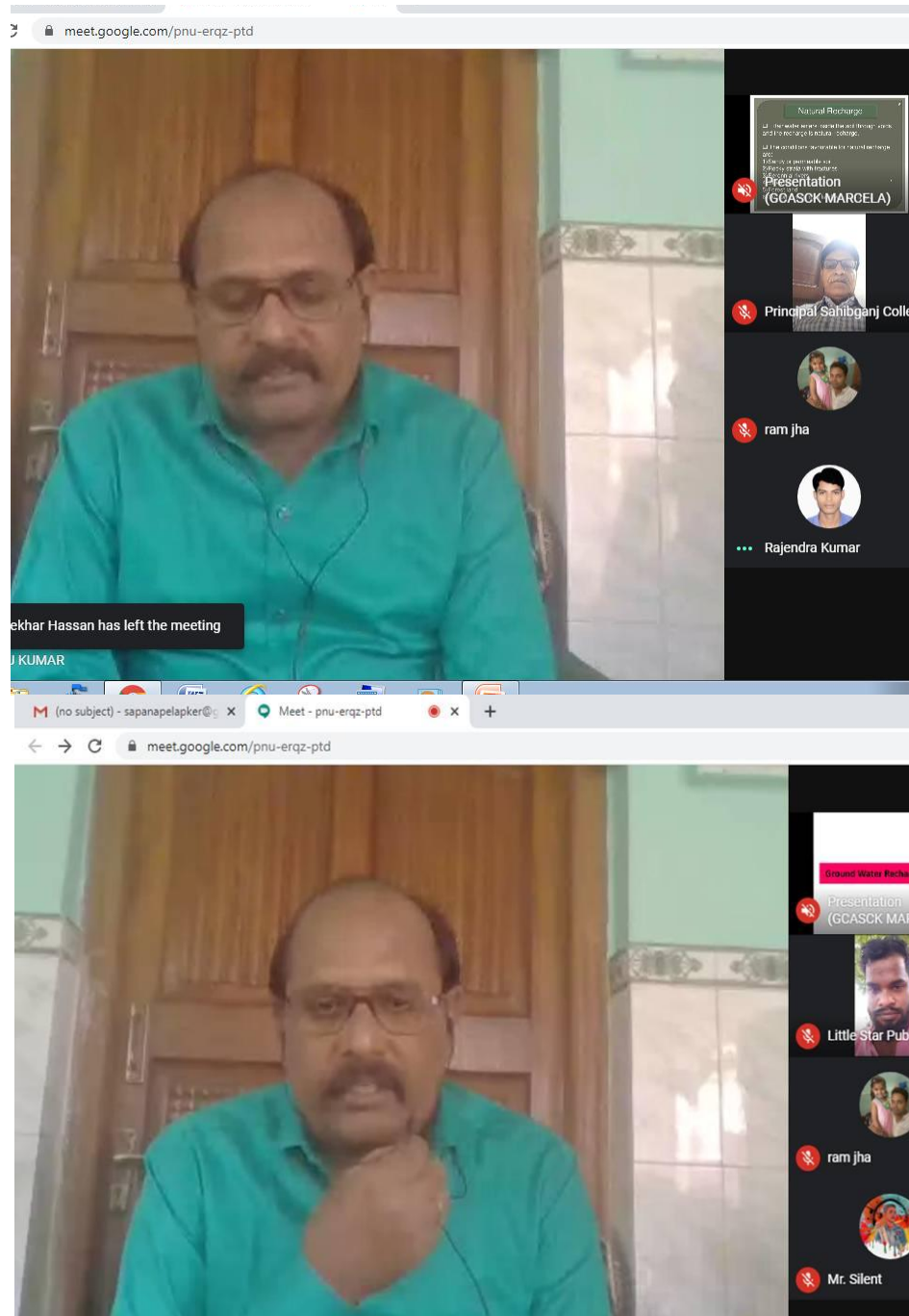


National level Webinar

The EBSB Club of Government College of Arts, Science & Commerce Khandola have organized National Level Webinar on 'Water Conservation & Environment Protection' on 23/07/2020 at 11.00am to 12.00pm. The Resource Person for the same was Mr. Ranjit Kumar Singh from Sahibganj College, Jharkhand. 86 Students as well as teachers from various colleges of India have participated in the same.

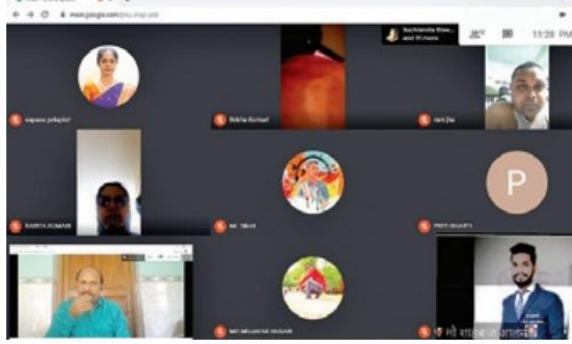


खांडोला मार्सेल गोवा ने किया राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल वेबिनार

कई राज्यों के एनएसएस छात्र, शिक्षक व अन्य पदाधिकारी एकसाथ जुड़े

संवाददाता

साहिबगंज(स्टार डी न्यूज)। भारत सरकार के एक भारत श्रेष्ठ भारत उन्नत भारत कार्यक्रम संवाद के तहत गवर्नमेंट कॉलेज आफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स, कंडोला मिरीला, गोवा के तत्वधान में राष्ट्रीय स्तर पर गुरुवार को नेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न राज्यों के एनएसएस छात्र, सभी कॉलेजों से शिक्षक, एनएसएस स्वयं सेवक व जल गंगा प्रहरी व अन्य पदाधिकारी जुड़े। वहीं गोवा गवर्नमेंट कॉलेज खंडोला मार्सेल की डॉ सपना ने जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा पर चर्चा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वक्ता व रिसोर्स पर्सन के रूप भूवैज्ञानिक सह पर्यावरणविद डॉ रणजीत कुमार सिंह ने जल संरक्षण व पर्यावरण सुरक्षा पर अपना व्याख्यान दिया। मुख्य



वक्ता डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि जल संरक्षण व पर्यावरण सुरक्षा की मुहिम में जनता, सरकार व शासन को एक साथ आकर काम करना होगा। लोगों को छत के पानी का संचय, वर्षा जल का भंडारण व संरक्षण करना साथ ही भूगर्भीय जल स्रोत को समय समय पर रिचार्ज करना होगा, उसका संवर्धन करना होगा। वर्षा जल को लोग टंकी या डोभा, तालाब या उपलब्ध जमीन या

अन्य स्थान पर जमा कर साल भर तक के लिए उपयोग में ला सकते हैं। जिला प्रशासन बिना रेन वाटर हार्वेस्टिंग के किसी के मकान का नक्शा की अनुमति ना दें। साथ ही डीप बोरिंग पर अंकुश लगाएं। जल का शोषण बन्द होना जरूरी है। प्रकृति व पारंपरिक जल स्रोतों का सुरक्षा व संवर्धन होना चाहिए। सरकार वर्षा के समय जल संचय के लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जागरूकता

अभियान चला कर वर्षा जल के भंडारण के लिए प्रखंड स्तर तक प्रोत्साहन राशि दें। डॉ रणजीत ने कहा कि घर घर जल उपयोग मापक यंत्र होना चाहिए। ताकि लोग अनुशासन व जरूरत के अनुसार पानी का प्रयोग करें। पानी की बचत ही जीवन की सुरक्षा है। पहाड़ जल मीनार है। जिसे हमें बचाना होगा। सरकार को विशेष महत्व देकर पहाड़ों को सुरक्षित करना चाहिए। वहीं डॉ सिदाम सिंह मुंडा, डॉ परमजोत झा, रेणु गुप्ता, एकता यादव, आरती कुमारी, रामचंद्र झा, रोहित राजेंद्र कुमार, तनवीर आलम, मो शाहबाज आलम, अमन कुमार होली, आस्था, प्रशांत, नेहा, पटना विवि से डॉ कृति, प्रीति, मधु, महाराष्ट्र से डॉ नादेन्द्र माने, मानसी, केरल से प्रो सतीश, विनय टुडू, डॉ रूपा चारी, हरियाणा केंद्रीय विवि से डॉ दिनेश चहल व अन्य शामिल थे।





जागरुकता अभियान चला कर वर्षा जल भंडारण के लिए प्रखंडस्तर तक प्रोत्साहन राशि दे सरकार

- राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल वेबिनार का आयोजन
- भू-गर्भीय जल स्रोत को समय-समय पर रिचार्ज करना आवश्यक

प्रतिनिधि ▷ साहिबगंज

एक भारत श्रेष्ठ भारत उन्नत भारत संवाद कार्यक्रम के तहत गवर्नमेंट कॉलेज आफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स, कंडोला मिरीला, गोवा के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर गुरुवार को नेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया. गवर्नमेंट कॉलेज खंडोला मार्शेल गोवा की डॉ सपना ने विषय प्रवेश कराया. प्राचार्य प्रो(डॉ) पूर्णकाला सामंत ने डॉ रणजीत कुमार सिंह का स्वागत

किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ रणजीत कुमार सिंह ने जल संरक्षण व पर्यावरण सुरक्षा पर व्याख्यान दिया. कहा कि जल संरक्षण व पर्यावरण सुरक्षा की मुहिम में जनता, सरकार व शासन को एक साथ काम करना होगा. लोगों को पानी का संचय, वर्षा जल का भंडारण व संरक्षण करने के साथ ही भूगर्भीय जल स्रोत को समय-समय पर रिचार्ज करना होगा. सरकार जल संचय के लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जागरुकता अभियान चला कर वर्षा जल के भंडारण के लिए प्रखंड स्तर तक प्रोत्साहन राशि दे. झारखंड बिहार के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार व एनएसएस समन्वयक डॉ मैरी मार्गेंट टुडू भी जुड़ी. वेबिनार में सभी कॉलेजों से शिक्षक, एनएसएस स्वयं सेवक व जल गंगा प्रहरियों ने हिस्सा लिया. वहीं डॉ सिद्धम सिंह



वेबिनार में शामिल प्रोफेसर.

मुंडा, डॉ परमजोत झा, रेणु गुप्ता, एकता यादव, आरती कुमारी, रामचंद्र झा, रोहित राजेंद्र कुमार, तनवीर आलम, मो शाहबाज आलम, अमन कुमार होली, आस्था, प्रशांत, नेहा, पटना विवि से डॉ कृति, प्रीति, मधु, महाराष्ट्र से डॉ नादिन्द्र माने, मानसी, केरल से प्रो सतीश, विनय टुडू, डॉ रूपा चारी, हरियाणा केंद्रीय विवि से डॉ दिनेश चहल व अन्य शामिल थे.

